Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.

Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

प्रश्न पत्र – 1

अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया   समय : तीन घण्टे   पूर्णांक : 100

1. अनुसंधान का स्वरूप ।
2. अनुसंधान और आलोचना ।
3. अनुसंधान के मूल तत्त्व ।
4. अनुसंधान के प्रकार ।
5. विषय – निर्वाचन ।
6. सामग्री – संकलन ।
7. शोध – कार्य का विभाजन, अध्ययन – उपशीर्षक और अनुपात ।
8. रूपरेखा, विषय – सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची, संदर्भ – उल्लेख, पाद–टिप्पणी ।
9. शोधकर्ता एवं निर्देशक : पात्रता एवं अर्हता ।
10. हिन्दी शोध : परम्परा एवं वर्तमान स्वरूप ।
11. शोध स्तर में गिरावट के कारण एवं सुधार के उपाय ।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

पाँच आलोचनात्मक प्रश्न 5 ग 20 = 100 अंक ।
पर्याप्त विकल्पों के साथ पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. विजय पाल सिंह, हिन्दी अनुसंधान, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
2. तिलक सिंह, नवीन शोध विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
3. विनय मोहन शर्मा, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. उदयभानु सिंह, अनुसंधान का विवेचन, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली ।
5. एस.एस. कन्ने, भारतीय पाठालोचन की भूमि, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।
6. जीमेपे –]पहदउमदज ˘तपजपदहए ।दकमतेवदए क्पेजवद ˙दक च्ववसम,ए ˘पसमल ेंजमतद स्जकण छमू क्मसीपए ठवउइंलए ब्सबनजजंण
7. जीम डस-|˝जलसम˝िममजए ।उमतपबंद`जनकपमे त्मेमंतबी ब्मदजमतए भ्लकतंइंकण
8. डॉ0 जुगेश कौर, शोध विधि : संदर्भ और इतिहास, राजेश प्रकाशन, दिल्ली ।
9. डॉ0 जुगेश कौर, अनुसंधान विधि : हिन्दी शोध ग्रन्थों के सन्दर्भ में, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।

एम.फिल्.

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

शोध–विषय से सम्बद्व विशेष अध्ययन   समय : तीन घण्टे   पूर्णांक : 100

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दस विकल्प रखे गए हैं । इनमें से किसी एक विकल्प में परीक्षा देनी होगी ।

विकल्प (क)   मध्यकालीन हिन्दी–साहित्य ।

अथवा

विकल्प (ख)   आधुनिक हिन्दी–साहित्य (सन् 1857 से 1947 तक) ।

अथवा

विकल्प (ग)   स्वातन्×योत्तर हिन्दी–कविता ।

अथवा

विकल्प (घ)   हिन्दी–कहानी ।

अथवा

विकल्प (ड.)   हिन्दी–उपन्यास ।

अथवा

विकल्प (च)   हिन्दी–आलोचना (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ) ।

अथवा

विकल्प (छ)   हिन्दी–नाटक और रंगमंच ।

अथवा

विकल्प (ज)   हिन्दी–निबन्ध, संस्मरण, रेखा–चित्र, यात्रा–लेखन, डायरी आदि ।

अथवा

विकल्प (झ)   भाषा–विज्ञान (हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में हिमाचल की विशिष्ट विभिन्न जातियों का अध्ययन)

अथवा

विकल्प (ञ)   लोक–साहित्य ।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दस विकल्प होंगे । इनमें से विद्यार्थी जिस विकल्प का चयन करेगा, उसमें दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा । विद्यार्थी से इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

एम.फिल्.

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

शोध – आलेख

पाठ्यक्रम दो मे निर्धारित विभिन्न वर्गों में से किसी एक वर्ग से सम्बन्धित विषय पर गहन प्रश्न किए जाएंगे । इसका अध्यापन विभागीय विषय विशेषज्ञ द्वारा कक्षाध्यापन या सेमिनार के रूप में किया जाना चाहिए । विषय का आबंटन विभागीय व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा । इसी विषय का परिविस्तार करके विद्यार्थी चतुर्थ प्रश्न पत्र में निर्धारित लघु शोध–प्रबन्ध प्रस्तुत करेगा और यदि वह पी–एच.डी. करना चाहे तो इसी विषय को विस्तारित करके पी–एच.डी. उपाधि हेतु शोध–प्रबन्ध भी प्रस्तुत कर सकता है । प्रत्येक विश्वविद्यालय से अपेक्षा की जाती है कि वह इन वर्गों से सम्बन्धित सेमिनार/प्रशिक्षण की सम्यक् व्यवस्था करेगा । शोध आलेख का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के आर्डिनेंस 15.5 के अनुसार किया जाए ।

एम.फिल्.

प्रश्न पत्र – 4

Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

पृष्ठों का लघु शोध–प्रबन्ध परीक्षाणार्थ प्रस्तुत किया जाएगा । विषय का आबंटन एवं शोध निदेशक की संस्तुति विश्वविद्यालय के आर्डिनेंस 15.7 के अनुसार किया जाएगा । विभाग ही विशेषज्ञ/निर्देशक की व्यवस्था करेगा । इस लघु शोध–प्रबन्ध का मूल्यांकन 100 अंकों में से बाह्य विशेषज्ञ परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है । इसके अन्तर्गत शोध–प्रबन्ध मूल्यांकन के लिए 75 अंक तथा मौखिकी के लिए 25 निर्धारित किए गए हैं ।